वस्तुनिष्ठ प्रश्न

B.A I (Hons) भारतीय दर्शन

Shyamakant
Philosophy
एम.एम कॉलेज
B.A I paper
भारतीय दर्शन
13.5.20

(1) वैशेषिक दर्शन के प्रणेता

(a) कणाद (b) गौतम (c) शंकर (d) कपिल

(2) पदार्थ दो प्रकार के हैं, भाव एवं

(a) अभाव (b) भावना (c) प्रतिभाव (d) प्रक्रिया

(3) गुण एवं कर्म का आश्रय है —

(i) द्रव्य (ii) सामान्य (iii) समवाय (iv) विशेष

(4) समवाय संबन्ध है —

(i) आकस्मिक (ii) अनिवार्य (iii) काल सापेक्ष (iv) [illegible]

(5) वैशेषिक दर्शन में भाव पदार्थ है —

(i) 3 (ii) 4 (iii) 6 (iv) 7

(6) वैशेषिक के अनुसार द्रव्य की संख्या —

(i) आठ (ii) नौ (iii) दस (iv) इनमें से कोई नहीं

(7) वैशेषिक दर्शन में गुणों की संख्या बताई गयी है —

(i) पन्द्रह (ii) बीस (iii) चौबिस (iv) पच्चीस

(8) अग्नि का विशेष गुण —

(i) गन्ध (ii) रूप (iii) स्पर्श (iv) इनमें से कोई नहीं

(9) आकाश का विशेष गुण —

(i) गन्ध (ii) रूप (iii) शब्द (iv) इनमें से कोई नहीं

(10) न्याय के प्रवर्तक —

(i) गौतम (ii) कपिल (iii) कणाद (iv) पतंजलि

(11) न्याय के अनुसार प्रमाण की संख्या —

(i) एक (ii) तीन (iii) छः (iv)

(12) न्याय दर्शन के अनुसार ~~[illegible]~~ प्रत्यक्ष के लिए है —

(i) इन्द्रिय (ii) वस्तु (iii) सन्निकर्ष (iv) उपर्युक्त सभी

(13) निज प्रत्यक्ष में वस्तु का निश्चित एवं स्पष्ट ज्ञान होता है।

(i) सविकल्प (ii) निर्विकल्प (iii) दोनों (iv) इनमें से कोई नहीं

(14) दो वस्तुओं के बीच अनावश्यक एवं सामान्य सम्बन्ध को कहते हैं

(i) व्याप्ति संबंध (ii) प्रत्यक्ष से पर (iii) अनुमान (iv) कोई नहीं

(15) सांख्य के प्रणेता -

(i) गौतम (ii) महावीर (iii) कपिल (iv) पतंजलि

(16) सांख्य के कार्य कारण सिद्धान्त को कहते हैं -

(i) सत कार्यवाद (ii) असत कार्यवाद (iii) आरम्भवाद (iv) विवर्तवाद

(17) सांख्य दर्शन के तीनों गुणों की साम्यावस्था को कहा जाता है -

(i) पुरुष (ii) प्रकृति (iii) दोनों (iv) इनमें से कोई नहीं

(18) योग दर्शन के प्रवर्तक हैं -

(i) गौतम (ii) पतंजलि (iii) महावीर (iv) कपिल

(19) योग शब्द बना है -

(i) युज (ii) युज (iii) योगा भ्यास (iv) इनमें से कोई नहीं

(20) योग में अष्टांग मार्ग है -

(i) पाँच (ii) आठ (iii) नौ (iv) बारह

(21) यम कितने प्रकार प्रकार के होते हैं -

(i) चार (ii) पाँच (iii) सात (iv)

(22) योग दर्शन का अर्थ है

(i) चित्तवृत्ति का निरोध (ii) अहंकार का निरोध (iii) बुद्धि का निरोध (iv) इनमें से कोई

(23) नियम की संख्या है -

(i) चार (ii) पांच (iii) सात (iv) आठ

(24) समाधि की संख्या है

दो, तीन, पाँच, (छः)

(25) सांख्य विकासवाद में कितने तत्व संयोजन होता
(i) प्रकृति (ii) पुरुष (iii) प्रकृति के साथ पुरुष (iv) ...

(26) प्रकृति एक है परन्तु पुरुष अनेक किसका कथन
(i) चार्वाक (ii) बौद्ध (iii) कपिल (iv) गौतम

(27) सांख्य के अनुसार अचेतन प्रयोजनवाद का सिद्धान्त किसका
(i) कपिल (ii) गौतम (iii) शंकर (iv) इनमें से कोई नहीं।

(28) सत्कार्यवाद का सिद्धान्त किसका है—
(i) कपिल (ii) शंकर (iii) चार्वाक (iv) गौतम

5/10/19

(29) प्रत्यक्ष ही प्रमाण है किसका कथन है—
(i) शंकर (ii) कपिल (iii) गौतम (iv) बौद्ध

(30) दर्शन संस्कृत के किस धातु से बना है—
(i) दृश् (ii) बुद्धि (iii) भाव (iv) कोई नहीं

(31) गुणवत समवायि कारण मिति द्रव्य लक्षणम् किसने कहा है—
(i) शंकर (ii) कणाद (iii) जैन (iv) बौद्ध

(32) पंच स्कंध में कितने द्रव्य आते हैं—
(i) पाँच (ii) सात (iii) नौ (iv) ग्यारह

(33) भौतिक द्रव्यों का अस्तित्व दिक और काल में होता है किसका कथन है
(i) गौतम (ii) कणाद (iii) चार्वाक (iv) कोई नहीं।

(34) वैशेषिक का आत्मा कितने प्रकार के होता है—
(i) एक (ii) दो (iii) चार (iv) छः

(35) दर्शन का उद्देश्य लौकिक तो अलौकिक मार्गदर्शन क्या है—
(i) ज्ञान प्राप्त करना (ii) मोक्ष प्राप्त करना (iii) सुख का त्याग (iv) कोई नहीं

(36) मनुष्य दुखों से छुटकारा पाने के लिए किसको याद करता है
(i) ईश्वर (ii) आत्मा (iii) विश्व (iv) इनमें से कोई नहीं

(37) प्रकृति अचेतन है और पुरुष निष्क्रिय किसका कथन है
(i) सांख्य (ii) योग (iii) बौद्ध (iv) जैन

Scanned with CamScanner